RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 05 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 132 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# मराठा आरक्षण की मांग लगभग दो दशक पुरानी...

# क्या है मराठा आरक्षण की लड़ाई?

मराठा आरक्षण की मांग लगभग दो दशक पुरानी है। इस मांग की पूर्ति तब हुई जब 30 नवंबर 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने आरक्षण देने के संदर्भ में विधेयक पास किया। इस विधेयक में सरकारी नौकरियों में मराठा समाज को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रवधान था। परंतु, इस विधेयक के विरोध में मेडिकल छात्रों ने बॉम्बे हाइकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

हाइकोर्ट ने इस पर निर्णय देते हुए शैक्षणिक आरक्षण को घटाकर 12 प्रतिशत और सरकारी नौकरियों में आरक्षण को 13 प्रतिशत कर दिया। इसके साथ ही बॉम्बे हाइकोर्ट ने यह भी कहा कि, अपवाद स्वरूप 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को पार किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा प्रकरण बॉम्बे हाइकोर्ट के निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। इसमें याचिकाकताओं ने दलील दी थी कि, मरा आरक्षण के लागू होने से आरक्षण सीमा प्रतिशत से पार हो गई है, जो इंदिरा साहनी प्रकरण मंडल कमीशन प्रकरण में सर्वोच्च न्याया के निर्णय का उल्लंघन है। इस पर लंबी सुनवाई चली और सर्वोप न्यायालय ने 5 मई 2021 को मराठा आरक्षण को रद्द कर दिया। न्याया ने अपने ऑब्जर्वेशन में इस निर्णय को असंवैधानिक करार दिया था। +

वर्ष 2021 में सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा दिये गए मराठा आरक्षण को असंवैधानिक करार दे दिया था। इसके पश्चात ही मराठा समाज आंदोलन करता रहा है। लेकिन 1 सितंबर 2023 को मराठा समाज ने जालना में बड़ा आंदोलन किया। जिसने हिंसक रूप ले लिया, इसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा। इसमें मराठा समाज के कई लोग घायल हो गए, जबकि 42 पुलिस कर्मी भी इस प्रदर्शन में घायल हो गए थे। यह आंदोलन मनोज जरांगे पाटील नामक मराठा समुदाय के एक नेता निकाला था। इ घटना के बाद तत्काल सरकार ने कदम उठाते हुए जालना के एसपी स्थानांतरित कर दिया है, इसके अलावा एसडीओ को निलंबित कर गया है।

### महाराष्ट्र में आरक्षण स्थिति...

अनुसूचित जाति – 15 प्रतिशत
अनुसूचित जनजाति – 7.5 प्रतिशत
अन्य पिछड़ा वर्ग – 27 प्रतिशत
अन्य आरक्षण – 2.5 प्रतिशत
कुल – 52 प्रतिशत
वर्तमान परिस्थिति

# कोविड-19 बॉडी बैग खरीद 'घोटाला':

## मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर को मिली गिरफ्तारी से दो दिन की अस्थायी राहत

**मुंबई :** मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर को कोविड-19 महामारी के दौरान संक्रमण से जान गंवाने वाले मरीजों के शव रखने के लिए खरीदे गए 'बॉडी बैग' में कथित घोटाले के आरोप में सोमवार को गिरफ्तारी से दो दिनों की अस्थायी राहत मिल गई। मुंबई पुलिस ने बम्बई उच्च न्यायालय को बताया कि वे किशोरी को अगले दो दिन तक गिरफ्तार नहीं करेंगे, जिसके बाद उन्हें यह अस्थायी राहत मिली। एक निचली अदालत ने पिछले सप्ताह पेडनेकर की अग्रिम जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वह एक ऐसे आर्थिक अपराध की आरोपी हैं, जिससे जनता का भारी भरकम राशि संलिप्त है। याचिका खारिज होने के बाद किशोरी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

था। न्यायमूर्ति एन.जे. जामदार की एकल पीठ ने पेडनेकर की याचिका पर सुनवाई की। पेडनेकर के वकील राहुल अरोते ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता एक पूर्व महापौर हैं, जिन्हें मामले में गिरफ्तार किया जा रहा है।

पुलिस की ओर से पेश हुए अभियोजक ने समय मांगा और कहा कि मामले के जांच अधिकारी अदालत में मौजूद हैं और पुलिस बुधवार तक कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। इसके बाद पीठ ने मामले को बुधवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाख (ईओडब्लू) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया की शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120 (बी) (आपराधिक साजिश) सहित विभिन्न धाराओं के तहत पेडनेकर और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत में महामारी के दौरान बीएमसी द्वारा संक्रमण से जान गंवाने वाले मरीजों के शव के लिए 'बॉडी बैग', अन्य के लिए मास्क व अन्य वस्तुओं की खरीद और स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंधन में अनियमितता व निधि का गलत तरीके से प्रयोग करने का आरोप लगाया गया है। पेडनेकर ने अग्रिम जमानत याचिका में दावा किया कि उन्हें मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है और उनके खिलाफ शिकायत राजनीतिक से प्रेरित है। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना पार्टी में टूट के बाद उनपर मामला दर्ज किया गया और उन्हें उद्धव ठाकरे गुट से ताल्लुक रखने के लिए निशाना बनाया जा रहा है।

# सावधान,कर्ज दिलाने के नाम पर सक्रिय है ठग

**मुस्तकीम खान संवाददाता**

**भिवंडी :** सस्ते ब्याज पर कर दिलाने के नाम पर महिला से तीन लाख की ठगी,एक पर चीटिंग का केस दर्जय यदि आप किसी बैंक से कर्ज लेना चाहते है तो पहले हो जाय सावधान,क्योंकि बैंको से सस्ते दरों पर कर्ज दिलाने वाले ठग बड़े पैमाने पर सक्रिय है।इसे ही कर्ज दिलाने के नाम पर एक महिला के साथ तीन लाख की ठगी का मामला प्रकाश में आया है।महिला की शिकायत पर पुलिस ने एक ठग पर चीटिंग का केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के काल्हेर गांव में रहने वाली हषार्ली माधव ठक्कर (38) को पैसों की जरूरत थी। इसलिए वह बैक से कर्ज लेने हेतु जरूरी दस्तावेज इकट्ठा कर रही थी।इसी दरम्यान उसकी पहचान पनवेल के चांभारानी गांव के रहने वाले गणेश रामचंद्र सावंत से हुई। गणेश ने हषार्ली को एक फीसदी ब्याज की दर से 25 लाख रुपए का

कर्ज दिलाने का आश्वासन दिया और कर्ज दिलाने हेतु तीन लाख रुपए सिक्योरिटी व डिपॉजिट के नाम पर गुगल पे और कैस रकम से ले लिया। इसके बावजूद वह महिला को कर्ज नहीं दिलाया।बल्कि कर्ज दिलाने के नाम पर उसे बेवकूफ बनाता रहा।कई माह बीतने के बाद भी जब महिला को पैसे नही मिला तो उसको अपने साथ हुए ठगी का एहसास हुआ।जिसके बाद महिला नारपोली पुलिस स्टेशन पहुंची और पनवेल निवासी गणेश रामचंद्र सांवत के खिलाफ धोखाधड़ी व जालसाजी के तहत केस दर्ज कराया है।

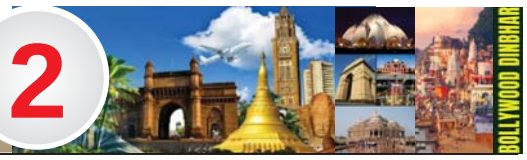


## संपादकीय / लेख

# सीट बंटवारे का सवाल

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

विपक्षी दलों के कठ.ऊकअ. गठबंधन के नेताओं की मुंबई में हुई दो दिवसीय बैठक से निकले नतीजों पर गौर करें तो साफ दिखता है कि लोकसभा चुनाव समय से पहले होने की अटकलों को गठबंधन नेतृत्व ने गंभीरता से लिया है। जो तीन प्रस्ताव इस बैठक में स्वीकार किए गए, उनमें भी इसकी छाप नजर आती है। पहले प्रस्ताव में ही यह साफ कर दिया गया है कि अगला लोकसभा चुनाव जहां तक संभव होगा, साथ लड़ेंगे। यह घोषणा एक तरह से इस आशंका या सवाल को समाप्त कर देती है कि पता नहीं ये दल एक साथ आ पाएंगे या नहीं। कहा जा सकता है कि वे साथ आ चुके हैं। हालांकि इन दलों के बीच हितों का जो सहज टकराव था, वह दूर नहीं हुआ है। इसीलिए सिर्फ लोकसभा चुनावों की बात की गई। इसमें विधानसभा चुनावों को शामिल नहीं किया गया है। यही नहीं, 'जहां तक संभव होगा' का प्रयोग बताता है कि सही अर्थों में सहमति बनाने के लिए अभी काफी मशक्कत करने की जरूरत पड़ेगी और ऐसी भी सीटें होंगी ही, जहां तमाम मशक्कतों के बावजूद सहमति नहीं बन पाएगी। ऐसे ही दूसरे प्रस्ताव में कहा गया है कि 0के सदस्य जल्द से जल्द सार्वजनिक रैली आयोजित करना शुरू कर देंगे। तीसरे प्रस्ताव में कम्युनिकेशन और मीडिया स्ट्रैटेजी का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया गया कि यह 'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया' पर आधारित होगा।

जाहिर है, ये तीनों प्रस्ताव जल्द से जल्द चुनाव प्रचार के मोड में आने का ही ऐलान हैं। 13 सदस्यों की जो को-ऑर्डिनेशन कमिटी घोषित की गई है, वह भी काफी महत्वपूर्ण है। इसमें सभी प्रमुख दलों को जगह दी गई है और यह इस गठबंधन की सर्वोच्च निर्णायक इकाई के रूप में काम करेगी। इस घोषणा के जरिए यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है कि सीटों के बंटवारे को लेकर जो भी मुद्दे उठने वाले हैं वे उठें तो जरूर, लेकिन सार्वजनिक तौर पर अनिश्चितता या असमंजस का कारण न बनें। इसकी संभावना कम इसलिए हो गई है क्योंकि को-ऑर्डिनेशन कमिटी के रूप में इन मुद्दों को निपटाने का एक मैकेनिज्म अस्तित्व में ला दिया गया है। हालांकि अलग-अलग विचारधारा, नीति, अजेंडा और हितों वाले दलों का साथ चलना कितना मुश्किल है, यह इससे भी पता चलता है कि पहले से घोषणा हो जाने के बावजूद संगठन का लोगो जारी नहीं किया जा सका। संयोजक को लेकर भी किसी नाम की घोषणा नहीं हो सकी। वैसे मानकर चलना चाहिए कि आगे ऐसी और भी असहमतियां सामने आएंगी। हो सकता है मतभेद मनमुटाव का भी रूप लेते दिखें। लेकिन ये दल मुंबई में की गई घोषणाओं पर कायम रहें तो इतना जरूर है कि सत्तारूढ़ पक्ष के लिए साझा चुनौती ये बन चुके हैं। भारतीय लोकतंत्र के मौजूदा मोड़ पर विपक्ष के स्पेस की राजनीति के लिए यह छोटी बात नहीं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# मराठा आरक्षण की मांग को लेकर हिंसा भड़कने के बाद महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला,

## मनोज जारांगे पाटिल को...

**महाराष्ट्र :** मराठा आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र के जालना जिले में मनोज जारांगे पाटिल की भूख हड़ताल को लेकर हिंसा भड़कने के दो दिन बाद, राज्य सरकार ने उन्हें वार्ता के लिए आमंत्रित किया है. सरकारी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी. पाटिल मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर जालना के अंतरवाली सारथी गांव में मंगलवार से भूख हड़ताल कर रहे थे, लेकिन अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश करने के बाद प्रदर्शन हिंसक हो गया. हिंसा भड़कने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े. इस दौरान 40 पुलिस कर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए और राज्य परिवहन की 15 से अधिक बस को आग लगा दी गई.

### 360 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने बताया कि इस हिंसा के सिलसिले में 360 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. सरकार के एक सूत्र ने बताया कि पाटिल को मराठा आरक्षण मुद्दे पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया है. सूत्र ने कहा, '' मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर सरकारी अधिकारियों और पाटिल के बीच बैठक होगी.''

### देवेंद्र फड़णवीस ने की मनोज जारांगे पाटिल से बात

डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने मराठा आंदोलन के नेता मनोज जारांगे पाटिल से बात की और उन्हें चर्चा के लिए बुलाया. राज्यसभा सांसद और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले ने भी इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सीएम से अनुरोध किया था. उपमुख्यमंत्री ने जारांगे पाटिल को आश्वासन दिया कि जालना घटना में न्याय होगा. सरकार को उम्मीद है कि जल्द ही मराठा आंदोलन के नेताओं के साथ बैठक होगी. इसके अलावा, मराठा आरक्षण पर आज की कैबिनेट उपसमिति की बैठक दोपहर में होगी, मराठा आरक्षण से संबंधित उप-समिति की बैठक में सीएम और दोनों डिप्टी सीएम मौजूद रहेंगे.

## ठाणे में हादसा, कार में लगी आग, बाल-बाल बचे परिवार के 7 लोग

**ठाणे :** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक कार में अचानक आग लगने के बाद उसमें सवार एक परिवार के सात लोगों की जान बाल-बाल बची। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय नगर निकाय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने कहा कि यह घटना रविवार रात करीब 10 बजे मुंब्रा बाईपास पर हुई। उन्होंने बताया कि कार में सवार लोग ठाणे आ रहे थे और घटना में उनका वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। तड़वी के मुताबिक, कार में अचानक आग लगने के बाद उसमें सवार दो महिलाएं, तीन पुरुष और तीन बच्चे तुरंत बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय दमकलकर्मी और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ दल के सदस्य तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। तड़वी ने कहा कि कार में आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

# ड्रग तस्करों के खिलाफ बड़ा अभियान...

## ५ करोड़ रुपए की कीमत की ड्रग्स बरामद

**नई मुंबई :** नई मुंबई पुलिस ने ड्रग तस्करों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाकर लगभग ५ करोड़ रुपए की कीमत की ड्रग्स बरामद की है। नई मुंबई पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई में वाशी, कोपरखैरणे, खारघर और तलोजा पुलिस स्टेशनों के ६ स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसमें कुल ७४ विदेशी नागरिकों से पूछताछ की गई। पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे ने बताया कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंस एक्ट के तहत कुल ५ अपराध दर्ज किए गए। पांच मामलों में १४ आरोपियों के खिलाफ ३ अपराध एनडीपीएस एक्ट के तहत हैं। ८९८ ग्राम कोकीन, एमडी २६७ ग्राम, ४,९६,२६,०००/- रुपए मूल्य की प्रतिबंधित ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की ३६,६४० स्ट्रिप्स जब्त की गई। इस दौरान देश में अवैध रूप से रहने वाले आरोपियों

### नवी मुंबई पुलिस ने की कार्रवाई

इस दौरान जांच करने पर 11 ऐसे लोग मिले जिनके खिलाफ आपराधिक मामले पहले ही दर्ज थे। नवी मुंबई पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे ने बताया कि जिन फ्लैट मालिकों ने अपने फ्लैट किराए पर देने के बारे में पुलिस को सूचित नहीं किया, उन पर भी सीआरपीसी की धारा 144 के तहत आदेशों का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया जाएगा।

# मुंबई/ कैंसर के इलाज के लिए प्रभावी इंजेक्शन... मिलेगा जीवनदान !

**मुंबई :** शोधकताओं की टीम ने कैंसर उपचार के लिए नया इंजेक्शन विकसित कर लिया है, जो कैंसर के इलाज में विशेष लाभप्रद हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड दुनिया का पहला देश होगा जो सात मिनट कैंसर उपचार करनेवाले जैब का उपयोग शुरू करने जा रहा है। यह इंजेक्शन कैंसर के अब तक होनेवाले उपचार की अवधि को काफी कम कर देगा। अध्ययनकताओं ने उम्मीद जताई है कि इस इंजेक्शन से न सिर्फ इलाज का समय कम होगा साथ ही लाखों कैंसर रोगियों को प्रभावी उपचार भी उपलब्ध हो सकेगा। ब्रिटेन की सरकारी स्वास्थ्य सेवा एनएचएस ने कैंसर के इलाज के लिए एक बेहद प्रभावी इंजेक्शन तैयार किया है। उसने दावा किया है कि एटेजोलिजुमाब इंजेक्शन से कैंसर के इलाज में लगने वाले समय में तीन-चौथाई तक की कटौती हो सकती है यानी पहले की

तुलना में महज एक चौथाई समय में कैंसर का इलाज होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेडिसिन एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी से मंजूरी के बाद एनएचएस ने कहा कि इम्यूनोथेरेपी, एटेजोलिजुमाब से इलाज करानेवाले सैकड़ों कैंसर पेशेंट को 'त्वचा के नीचे' इंजेक्शन दिया जाएगा। इससे कैंसर टीमों को इलाज के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके जरिए ट्रीटमेंट में पहले लगनेवाले ३० से ६० मिनट की तुलना में महज सात मिनट लगेंगे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 05 सितंबर 2023

## भूमिपुत्रों का जंग का एलान!

# समंदर के तट पर मछुआरों व आदिवासियों का जनसैलाब...

**पालघर :** पालघर जिले के डहाणू तालुका के वाढवण में प्रस्तावित बंदरगाह परियोजना के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करने वाले 'डीटीईपीए' (डहाणू तालुका पर्यावरण संरक्षण प्राधिकरण) के हालिया फैसले के बाद तटीय क्षेत्रों में सरकार के विरोध में भीषण आक्रोश भड़क उठा है। प्रस्तावित बंदरगाह के विरोध में कल रविवार को समंदर के तट पर मछुआरों व आदिवासियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोगों ने सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए तत्काल बंदरगाह के प्रस्ताव को रद्द करने की मांग की है। बंदरगाह विरोधी संघर्ष समिति की अगुवाई में हजारों लोग समुद्र तट पर इकट्ठा हुए और परियोजना को रद्द करने की मांग की।

लोगों की सभा को संबोधित करते हुए पानेरी रेस्क्यू कमेटी के दीपक भंडारी ने कहा कि यह अपने अस्तित्व की लड़ाई है और सभी को इसे गंभीरता से लेते हुए इसे लड़ना चाहिए। लोक प्रहार एसोसिएशन के स्वप्निल तरे ने कहा कि केंद्र की इस कुटिल योजना को विफल करने के लिए भूमिपुत्र कमर कस कर खड़े हो गए हैं। वाढवन बंदरगाह का विरोध पिछले कई वर्षों से स्थानीय मछुआरे कर रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार के कदमों से हाल के दिनों में बंदरगाह को लेकर गतिविधियों ने फिर से जोर पकड़ लिया है। लेकिन वाढवण में बनने वाले बंदरगाह का लोग यह कह कर विरोध कर रहे हैं कि इसके निर्माण से लाखों लोगों का रोजगार छिन जाएगा।

बंदरगाह का लोग यह कह कर विरोध कर रहे हैं कि इसके निर्माण से लाखों मछुआरों सहित बड़ी संख्या में आदिवासियों और अन्य लोगों का रोजगार तो खत्म होगा ही, पर्यावरण को भी काफी नुकसान पहुंचेगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बंदरगाह बनाकर यहां के समुद्री संसाधन को नष्ट करने की योजना है। इस जगह पर कई दुर्लभ प्रजातियों की मछली और जैव विविधता पाई जाती है, इसलिए पर्यावरणविदों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से इसे समुद्री अभयारण्य घोषित करने के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। विरोध कर रहे लोगों ने कहा कि स्थानीय लोगों के विरोध को कुचलकर इस विनाशकारी परियोजना को थोपने का प्रयास किया जा रहा है।

# मराठा आरक्षण: प्रदर्शनकारियों से मिलने के लिए जालना रवाना हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे...

**मुंबई :** महाराष्ट्र से मिली एक बड़ी खबर के अनुसार, आज मराठा आरक्षण के मुद्दे पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे प्रदर्शनकारियों से मिलने के लिए जालना रवाना हुए हैं। जानकारी दें कि,महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग ने अब जमकर तूल पकड़ लिया है। आरक्षण की मांग को लेकर जहां जालना के कई इलाकों में हिंसा हुई। वहीं इस हिंसा के बाद से पुलिस एक्शन में है। अब तक पुलिस ने हिंसा और आगजनी में शामिल 360 से ज्यादा लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हिंसा में कथित तौर पर शामिल 16 लोगों की पहचान कर ली गई है, जो मनोज जारांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे। जानकारी हो कि, मनोज जारांगे लंबे समय से मराठा आरक्षण की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस बाबत आज मराठा आंदोलन के नेता मनोज जारंगे पाटिल ने जानकारी दी कि, शिंदे सरकार ने हमें बातचीत के लिए मुंबई बुलाया था, लेकिन हमें नहीं लगता कि अब मुंबई आने की कोई जरूरत है क्योंकि मंत्री गिरीश महाजन के नेतृत्व में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने हमसे मुलाकात की और हमारे साथ चर्चा की। हमें जो कुछ भी कहना था, हमने बता दिया है। उन्होंने साफ कहा कि, ;हमने उन्हें स्पष्ट कर दिया है कि सरकार को 2 दिनों के भीतर महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की घोषणा करनी होगी, और इसे लागू भी करना होगा। हमें जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और शीर्ष अधिकारी बैठक करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा की, आज पूरे दिन इस मुद्दे पर बैठक होगी। हमें उम्मीद है कि आज इस पूरे मुद्दे पर कोई समाधान निकलेगा।

जानकारी दें कि, मराठा आरक्षण की मांग के बाद हिंसा बीते शुक्रवार को तब भड़की जब पुलिस ने अंबाद तहसील के अंतरवाली सारथी गांव में भीड़ को तितर बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान पुलिस ने आंसू गैस के गोलों का भी जमकर इस्तेमाल किया। यह लोग मनोज जारांगे के नेतृत्व में मंगलवार से आरक्षण की मांग को लेकर जमा हुए थे, जबकि मनोज जारांगे खुद भूख हड़ताल पर बैठे थे। मनोज जारांगे को प्रदर्शन स्थल से उठाकर पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की। इसी के बाद स्थिति बिगड़ गई। हिंसा में करीब 40 पुलिसकर्मी घायल हुए। वहीं पुलिस ने हिंसा और आगजनी में शामिल 360 से ज्यादा लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

## महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश का कहर... पालघर में एक शख्स नदी में बहा

**पालघर :** महाराष्ट्र में बीते दो दिनों से बारिश का कहर बरपाया हुआ है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश हुई है। महाराष्ट्र के पालघर जिले में ४८ वर्षीय एक व्यक्ति उफनती नदी में गिरकर बह गया। एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन सेल के विवेकानंद कदम ने यह घटना रविवार शाम करीब ६.४५ बजे हुई, जब तलसारी इलाके के सांबा में अदागपाड़ा का एक व्यक्ति कोल्हा क्रीक नदी पार कर रहा था। उन्होंने बताया कि वह व्यक्ति जलाशय में गिर गया और बह गया। अधिकारी ने बताया कि उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पालघर में पिछले एक हफ्ते से भारी बारिश हो रही है।

# सनातन का अपमान कर बुरे फंसे उदय स्टालिन, दिल्ली में केस दर्ज... मुंबई में भी कार्रवाई की मांग

**मुंबई :** तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन को सनातन धर्म पर विवादित बयान देना भारी पड़ रहा है। हाल ही में उन्होंने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया, डेंगू और कोरोना वायरस से करते हुए इसे नष्ट करने की अपील की थी। हालांकि, अब स्टालिन का ये बयान उनपर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। देश में दिल्ली से लेकर मुंबई तक उदय स्टालिन पर कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। सनातन धर्म पर विवादित बयान देने वाले उदय स्टालिन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल की ओर से दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो दर्ज शिकायत में उनपर भड़काऊ और मानहानिकारक बयान देने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा हिंदू सेना ने भी उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ दिल्ली पुलिस आयुक्त के सामने शिकायत दर्ज कराई है और कार्रवाई की मांग की है।

**शिवसेना ने की कार्रवाई की मांग**

उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ महाराष्ट्र में भी शिकायतें और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। शिवसेना के नेता राहुल कनल ने मुम्बई पुलिस को पत्र लिखकर उदय पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक फायदे के लिए उदय ने जानबूझकर सनातन धर्म के खिलाफ नफरत फैलाने और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बयान दिया है।

**बयान पर अड़े उदय स्टालिन**

चारों ओर से विरोध झेल रहे उदय स्टालिन अब भी अपने बयान पर अड़े हुए हैं। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मैंने केवल सनातन धर्म की आलोचना की है और सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए कहा है। ये बात मैं लगातार बोलूंगा। उन्होंने भाजपा पर उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया है।

## टोरेंट पावर के खिलाफ मोर्चा निकालने वाले 37 प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज.

**मुस्तकीम खान**

**भिवंडी :** टोरंट पावर के खिलाफ मोर्चा निकालने वाले महाविकास संघर्ष समिति के 37 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किए जाने की जानकारी पुलिस प्रशासन ने सोमवार को दी है । शहर में बिजली वितरण और बिल वसूली करने वाली टोरेंट पावर कंपनी पर मनमाने प्रबंधन का आरोप लगाते हुए महाविकास संघर्ष समिति ने शुक्रवार 1 सितंबर को छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से टोरेंट पावर कार्यालय तक मार्च का आयोजन किया था जिस पर भिवंडी पुलिस ने कानून-व्यवस्था पर प्रश्न उपस्थित न हो इस के लिए विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था । पुलिस द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने के बाद भी प्रदर्शनकारियों ने मोर्चा निकाला था जिसमें सैकड़ों नागरिक शामिल हुए थे। पुलिस की अनुमति के बिना मोर्चा निकालने के कारण महाविकास संघर्ष समिति के पदाधिकारी पूर्व सांसद सुरेश टावरे, पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे, पूर्व विधायक राशिद ताहिर मोमिन, एनसीपी शहर अध्यक्ष शोएब खान गुड्डू, कामरेड विजय कांबले, शरद पाटिल, मनोज गगे, विश्वास थले, पूर्व नगरसेवक मतलूब सरदार, पंकज गायकवाड़, रवीश मोमिन, तुफेल फारूकी, अरुण पाटिल, प्रतीक जंगलानी, नसीम खान, जयमाला पाटिल, अरविंद म्हात्रे, संदीप म्हात्रे, जावेद फारूकी, दुर्गेश नाइक सहित शहर के कुल 37 लोगों के खिलाफ शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

# फ्लैट से 24 साल की ट्रेनी एयर होस्टेस का शव मिलने से मचा हड़कंप,

## पुलिस को हत्या की आशंका...

**मुंबईः** महाराष्ट्र के मुंबई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पवई में एक लड़की का उसके फ्लैट से संदिग्ध हालत में शव बरामद किया गया है। मुंबई पुलिस के डीसीपी दत्ता नालावाड़े ने इस बात की पुष्टि की है। मृतक लड़की ट्रेनी एयर होस्टेस थी और हालही में उसका चयन हुआ था। लड़की की पहचान रूपल ओगरे के रूप में हुई है। वह छत्तीसगढ़ की रहने वाली थी और बड़ी बहन और बॉयफ्रेंड के साथ फ्लैट में रहती थी। दोनों पिछले 8 दिनों से गांव गए हुए थे।

**पुलिस को हत्या की आशंका**

पुलिस का शुरूआत में कहना है कि लड़की की चाकू से गला रेतकर हत्या की गई है। पुलिस पीड़ित लड़की के फोन और बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी को जांच कर रही है।

**क्या है पूरा मामला**

बीती रात मुंबई के पवई पुलिस थाने में ये सूचना मिला कि एक इमारत के फ्लैट में संदिग्ध हालत में एक लड़की की डेड बॉडी मिली है। इस खबर के सामने आते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मुंबई पुलिस के डीसीपी दत्ता नालावाड़े के मुताबिक, पवई पुलिस थाने की हद्द में मारवाह रोड पर स्थित ठक्रहाउसिंग सोसायटी में एक 20 से 25 साल की लड़की की संदिग्ध हालत में डेड बॉडी मिली है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी के मुताबिक, मामले में हत्या का केस दर्ज कर आरोपी को पकड़ने के लिए 4 टीम का गठन किया गया है। हालांकि ये मृतक लड़की कौन थी, ये फ्लैट में अकेले कब से और क्यों राह रही थी और हत्या की वजह क्या है? इस बात की जांच की जा रही है।

# आरक्षण के लिए मराठा समूहों का आंदोलन जालना में सातवें दिन भी जारी

**मुंबई :** आरक्षण के लिए मराठा समूहों का आंदोलन जालना में सातवें दिन भी जारी रहा, जबकि सोमवार को कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष (विधानसभा) विजय वडेट्टीवार ने यहां समुदाय के लिए आरक्षण पर चर्चा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए महाराष्ट्र विधानमंडल के एक विशेष सत्र की मांग की। वडेट्टीवार ने मीडियाकर्मियों से कहा कि राज्य सरकार को मराठा आरक्षण पर स्थायी रूप से विचार करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए सदन की एक विशेष बैठक बुलानी चाहिए। मराठा समूहों ने जालना, औरंगाबाद, सोलापुर, पुणे, बीड और अन्य जिलों में बंद का आह्वान किया है। पुलिस ने सभी संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा तैनात की है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे को समुदाय के गुस्से का सामना करना पड़ा, जब उनके काफिले को मराठा क्रांति मोर्चा के कार्यकताओं ने जालना जाते समय कुछ देर के लिए रोक दिया।

जब मराठों ने अपनी मांगें रखीं, तो राज ठाकरे अपने वाहन से उतर गए, जिसे उन्होंने पूरा करने का आश्वासन दिया। उसके बाद उनकी कार को अंतरवली-सरती गांव की ओर जाने की अनुमति दी गई, जहां 29 अगस्त से मनोज जारांगे के नेतृत्व में एक समूह भूख हड़ताल पर है। संकट को हल करने के लिए रविवार शाम महाराष्ट्र सरकार के प्रारंभिक प्रयास रूप से विफल हो गए। आंदोलनकारियों ने अपनी भूख हड़ताल वापस लेने से इनकार कर दिया और 48 घंटों के भीतर आरक्षण की घोषणा करने और 1 सितंबर को लाठीचार्ज की घटना में शामिल सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए, मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि प्रशासन इस मुद्दे पर सकारात्मक है, लेकिन एक फुलप्रूफ नीति तैयार करने के लिए कम से कम एक महीने का समय मांगा। पिछले दो दिनों में मराठों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और उनके हितों के लिए न्याय की मांग करने के लिए सत्तारूढ़ और विपक्षी नेताओं की एक पूरी श्रृंखला जालना की ओर बढ़ती देखी गई है। उनमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के अशोक चव्हाण समेत छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज संभाजीराजे भोसले और उदयनराजे भोसले व अन्य शामिल थे।

# २ दिन बाद सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी...

**मुंबई :** हल्के बुखार के कारण पिछले दो दिनों से सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी को सोमवार को छुट्टी दे दी गई। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, 18 से 22 सितंबर तक संसद के विशेष सत्र की रणनीति पर चर्चा के लिए सोनिया गांधी मंगलवार को अपने आवास पर सीपीपी संसदीय रणनीति समूह की बैठक बुलाएंगी। विशेष सत्र बुलाने के अलावा, केंद्र सरकार ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रणनीति पर चर्चा करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय पैनल का गठन किया है।

# ईओडब्ल्यू ने बीएमसी के खिचड़ी घोटाले में संजय राउत के करीबी सुजीत पाटकर...

# 6 अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

**मुंबईः** मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 6.37 करोड़ रुपये के 'खिचड़ी घोटाले' में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के करीबी सहयोगी सुजीत पाटकर और छह अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर में कहा गया है कि ईओडब्ल्यू ने पाया कि बीएमसी ने कोविड-19 महामारी के दौरान प्रवासियों को 'खिचड़ी' वितरण का ठेका देने में वित्तीय अनियमितताएं कीं। एक अधिकारी के मुताबिक, ईओडब्ल्यू ने पाया कि जिन ठेकेदारों को खिचड़ी बनाने का काम दिया गया था, उन्होंने दूसरों को काम सौंप दिया। एफआईआर में दावा किया गया है कि बीएमसी अधिकारियों को पसंदीदा पार्टियों को ठेके देने के लिए रिश्वत मिली। एफआईआर में कहा गया है कि वैष्णवी किचन/स'ाद्रि रिफ्रेशमेंट और सुनील उर्फ बाला कदम को ठेका दिया गया था, लेकिन उनके पास 5,000 से अधिक लोगों के लिए खिचड़ी बनाने के लिए रसोई उपलब्ध नहीं थी।

एफआईआर में कहा गया है कि बीएमसी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ठेका किसी धर्मार्थ संगठन या सामुदायिक रसोई वाले एनजीओ को दिया जाना चाहिए जो 5,000 से अधिक भोजन बना सके और उसके पास नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग से प्रमाण पत्र हो। इसके मुताबिक, कदम के आवेदन पर तत्कालीन सहायक आयुक्त (योजना) ने इसका ठेका वैष्णवी किचन/सहाद्रि रिफ्रेशमेंट को दिया था. अनुबंध के मुताबिक प्रत्येक पैकेट में 300 ग्राम खिचड़ी होनी चाहिए थी, लेकिन प्रवासियों के बीच बांटे गए पैकेट में 100-200 ग्राम तक खिचड़ी थी. एफआईआर में दावा किया गया है कि कदम ने काम का उपठेका किसी अन्य पार्टी को भी दे दिया। इसमें कहा गया है कि नगर निकाय ने सहाद्रि रिफ्रेशमेंट को 5.93 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जिसने परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए पाटकर को 45 लाख रुपये हस्तांतरित किए। एफआईआर में दावा किया गया है कि फोर्स वन मल्टी सर्विसेज को दिए गए अनुबंध की जांच करते समय, ईओडब्ल्यू ने पाया कि उसके पास अपनी रसोई नहीं थी, न ही स्वास्थ्य विभाग या खाद्य एवं औषधि प्रशासन से लाइसेंस था।

दावा किया गया कि फोर्स वन ने खिचड़ी बनाने का काम स्नेहा कैटरर्स को दिया, जिसने प्रति पैकेट केवल 100 ग्राम खिचड़ी बनाई। एफआईआर में कहा गया है कि बीएमसी ने फोर्स वन को 8.64 करोड़ रुपये दिए, जिसने बीएमसी अधिकारियों के खातों में 2.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। ईओडब्ल्यू के 36 वर्षीय सहायक निरीक्षक गोपाल रावण ने अपनी शिकायत में कहा कि नियमों का उल्लंघन कर ठेका दिया गया है.

### अग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज

ईओडब्ल्यू ने एफआईआर में सुजीत पाटकर, सुनील उर्फ बाला कदम, स'ाद्रि रिफ्रेशमेंट के राजीव सालुंखे, फोर्स वन मल्टी सर्विस के साझेदार और कर्मचारी, स्नेहा कैटरर के साझेदार, तत्कालीन सहायक नगर आयुक्त (योजना) और अन्य अज्ञात बीएमसी अधिकारियों को नामित किया है। इसने अग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। पाटकर को जंबो कोविड सेंटर घोटाले के सिलसिले में ईडी ने गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में हैं। पिछले महीने ईओडब्ल्यू ने उसे हिरासत में लिया था।

# अमरावती की सांसद नवनीत राणा से मिले समाजसेवी डॉ. अनील मुरारका

## प्रधानमंत्री मोदी की हाथ से बनाई तस्वीर की भेंट

**मुंबई :** प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ अनील काशी मुरारका ने, देश में हनुमान चालीसा को लेकर आंदोलन करनेवाली तथा हिंदुत्व की आवाज को बुलंद करने वाली अमरावती की सांसद नवनीत राणा से मिलकर उन्हें देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की हाथ से बनाई हुई पेंटिंग तस्वीर भेंट की। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने तथा महाराष्ट्र में अति पिछड़े युवाओं बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के अभियान को लेकर तथा महाराष्ट्र में पर्यावरण के विषय पर नवनीत राणा से चर्चा की। इस मौके पर पूरे देश में गौरक्षा तथा लव जिहाद को लेकर आंदोलन चला रहे अमरावती काली माता मंदिर के श्री श्री 1008 शक्तिपीठ मठाधीश्वर शक्ति महाराज भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सांसद नवनीत राणा ने डॉ अनील काशी मुरारका के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। खासकर आदिवासी और पिछड़े इलाकों में डॉ मुरारका द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आपके कार्यों से समाज के साथ-साथ देश को शक्ति मिल रही है।

# भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे राज्य भर में कम से कम 204 सरकारी अधिकारियों को अभी तक निलंबित नहीं किया गया

मुंबई: भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे राज्य भर में कम से कम 204 सरकारी अधिकारियों को अभी तक निलंबित नहीं किया गया है, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण विकास विभाग 56 के साथ सूची में शीर्ष पर है। आंकड़े बताते हैं कि अगस्त तक नागपुर में 60, मुंबई में 34 और अमरावती में 28 अधिकारी अभी भी अपने पद पर थे। एसीबी ने भ्रष्टाचार से जुड़े 13 मामलों में सरकार को प्रस्ताव भेजकर 14.14 करोड़ की संपत्ति जब्त करने की अनुमति मांगी है. आंकड़े बताते हैं कि 204 में से 18 क्लास क 28 क्लास क्क और 78 क्लास क्क्क अधिकारी हैं।

ग्रामीण विकास विभाग 56 अधिकारियों के साथ सूची में शीर्ष पर है, इसके बाद शिक्षा और खेल (47), शहरी विकास (29) और राजस्व / पंजीकरण / भूमि रिकॉर्ड हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि कथित तौर पर भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल कम से कम 15 अधिकारियों को अभी भी सेवा से नहीं हटाया गया है। यहां ग्रामीण विकास विभाग छह के साथ सूची में सबसे ऊपर है। जहां तक 13 'संपत्ति जब्ती के मामलों' का सवाल है, इनमें से ज्यादातर मुंबई जोन से हैं। इसमें शामिल संपत्तियों में सबसे अधिक राशि शहरी विकास विभाग (रु 3.8 करोड़) के अधिकारियों से संबंधित है, इसके बाद कृषि, पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन (रु 3.72 करोड़), जल संसाधन (रु 2.82 करोड़) और लोक निर्माण विभाग (रु 2.48 करोड़)। एसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि एक बार जब किसी पर मामला दर्ज किया जाता है, तो एसीबी उनके बारे में विवरण और एफआईआर संबंधित विभाग के साथ साझा करता है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई करना विभाग पर निर्भर है।

# मुंबई में वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर लगा लंबा जाम,

## लोगों ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास... वर्क फ्रॉम होम की जगी उम्मीद !

**मुंबई :** महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर सोमवार को तीन सप्ताह के अंतराल में दूसरी बार भीषण जाम लगने से लोग घंटों फंसे रहे. बांद्रा की ओर जाने वाले आरे ब्रिज पथ के पास कुछ मरम्मत कार्यों के कारण ऐसा जाम लगा कि फिर वाहनों के पहिये कई घंटों तक थमे रहे. यहां हाईवे वाहनों से भर गया और सोशल मीडिया यूजर्स के मुताबिक बोरीवली से आगे करीब छह किमी तक ट्रैफिक थमा रहा.

सोशल मीडिया यूजर्स ने एक्स पर पोस्ट करके अपनी चिंताओं और अनुभवों को बताया. लोगों ने कहा कि अगर योजना बनाकर काम किया होता तो ऐसा जाम नहीं लगता. यूजर्स ने कहा कि जिस ट्रैफिक को सड़क के दूसरी ओर एक लेन में मोड़ने की बात कही गई थी, वह भी भीड़भाड़ वाली स्थिति में पहुंच गया. यूजर्स ने बताया कि 'जो लोग वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से होकर अपने-अपने आफिस तक पहुंचते हैं; उन सभी को आज वर्क फ्रॉम होम ही करना होगा.'

**सोमवार के पीक ऑवर्स में ही काम करने से लगा जाम**

एक अन्य यूजर ने एक्स को बताया और कहा कि, 'कुछ ऐसा जो पहले किया जा सकता था लेकिन उसी काम को ठीक सोमवार के पीक ऑवर्स में करने का फैसला किया... कृपया अपने संबंधित संगठन में हाफ डे की छुट्टी करें.'

# तांबा चोर पेल्हार पुलिस की गिरफ्त में आया

**वसई:** घरफोडी चोरी करने के आरोप में पेल्हार पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने एक २४ वर्षीय शातिर चोर को धर दबोचा है और ५६ किलो तांबा बरामद किया है। यह पूरी कार्रवाई डीसीपी (परिमंडल ३) सुहास बावचे व एसीपी रामचंद्र देशमुख के मार्गदर्शनाखाली पेल्हार थाने के सीनियर पी.आई.वसंत लब्दे,पी.आई.(क्राइम) विजय पाटील व पी.आई.(प्रशासन) शिवानंद देवकर के नेतृत्व में क्राइम डिटेक्शन के स. पो. नि.सोपान पाटील की टीम ने की है।२ सितंबर को पुलिस ने जानकारी दी है कि पेल्हार थाने में शिकायतकर्ता विष्णु अर्जुन जाधव (६३) का उसके बंद गाला के शटर को किसी अज्ञात चोर ने किसी चीज की मदद से खोल दिया और उस रास्ते से अंदर घुसकर शिकायतकर्ता के गाला से ६५ किलोग्राम वजनी तांबा कीमत २०,१५० रुपये चोरी कर लिया।शिकायतकर्ता ने पेल्हार थाने में अज्ञात चोर के ऊपर कलम ४५७,३८०,३४ के तहत केस दर्ज करवाया था।पुलिस के मुताबिक उपरोक्त अपराध के संबंध में अपराध जांच शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा तत्काल घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जानकारी एवं गुप्त मुखबिरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर उक्त अपराध में आरोपी की धरपकड़ शुरू की,पुलिस ने इस बीच उक्त अपराध में आरोपी राहुल शिवबच्चन गुप्ता गुप्ता (२४),निवासी-नालासोपारा पूर्व को हिरारत में लिया।उसे हिरासत में लेकर जांच की गई तो वह उपरोक्त अपराध में शामिल पाया गया,उक्त अपराध में आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से ५६ किलोग्राम तांबा कीमती १७,३६० रुपए जब्त किया गया

# हजारों रुपये नगदी हजारों रुपये नगदी हजारों रुपये नगदी के साथ आरोपी जौनपुर से गिरफ्तार

**वसई :** पेल्हार पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने चोरी करने के मामले में एक शातिर चोर को उत्तरप्रदेश के जनपद जौनपुर से गिरफ्तार किया है और उसके पास से ५० हजार रुपये नगद व २ अपराधों की गुत्थी सुलझाया है। यह कार्रवाई डीसीपी (परिमंडल ३) सुहास बावचे व एसीपी रामचंद्र देशमुख के मार्गदर्शनाखाली पेल्हार थाने के सीनियर पी.आई.वसंत लब्दे,पी.आई.(क्राइम) विजय पाटील व पी.आई.(प्रशासन) शिवानंद देवकर के नेतृत्व में क्राइम डिटेक्शन के स. पो.नि.सोपान पाटील की टीम ने की है। शनिवार को पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता कलीमुल्ला तुफैल अहमंद खान (२३) की कलीममुल्ला टिंबर एंड प्लायवुड दुकान,संतोष भुवन,नालासोपारा पूर्व में अज्ञात चोर ने उपरोक्त दुकान में घुस कर दुकान से १,५०,००० रुपये नगद चोरी कर फरार हो गए थे। इस मामले में शिकायतकर्ता ने पेल्हार थाने में चोर के ऊपर केस दर्ज करवाया था। पुलिस ने बताया कि उपरोक्त अपराधों की जांच के अनुसरण में अपराध जांच शाखा के अधिकारी व कर्मचारी द्वारा गुप्त मुखबिरों के माध्यम से प्राप्त तकनीकी विश्लेषण और जानकारी के आधार पर आरोपी मोहम्मद कलाम सलामुद्दीन अन्सारी (३९) को उत्तरप्रदेश जनपद जौनपुर से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से उक्त अपराध में चोरी की ५०,००० नगद रकम बरामद की गई है।आरोपियों के खिलाफ रायगढ़,मुरबाड,भिवंडी,ठाणे में मामले दर्ज हैं।जब उक्त आरोपी से पूछताछ की गई तो पेल्हार थाने के रिकॉर्ड पर कुल २ अपराध उजागर हुए।

# नालासोपारा बना गुटखा माफियाओं का गढ़...

## खुलेआम बिक रहा मौत का सामान

**नालासोपारा :** पालघर जिले के वसई विरार क्षेत्र में इन दिनों गुटखा माफियाओं की मनमानी चरम पर है। जहा तरफ शासन प्रशासन की ओर से कार्यवाही के दावे किए जा रहे है वही दूसरी तरफ साक्ष्य कुछ और ही बया करते नजर आ रहे है। सूत्र की माने तो नाला सोपारा पूर्व गुटखा माफियाओं का गढ़ माना जाता है वही नाला सोपारा पूर्व के कई पान मसाला विक्रेता भी प्रतिबंधित गुटखा पान मसाला धड़ल्ले से विक्री करते नजर आ रहे हैं,ऐसा ही एक मामला नाला सोपारा पूर्व के विजय नगर से सामने आया है सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार विजय नगर रिक्शा स्टैंड पर स्थित पान की दुकानों पर प्रतिबंधति गुटखा पान मसाला,बिना लाइसेंस के भंग की गोलियां ,चरस तथा गांजा पीने के उपयोग में आने वाले गोगो नामक कागज को बेचने का कार्य निर्भयता से किया जा रहा है ,आश्चर्य की बात तो यह है की विजय नगर बीट चौकी से महज दस कदम की दूरी पर यह गोरख धंधा चलाया जा रहा है जो पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान लगती है। बीते महीनो में कई बार गुटखा व्यापार पर पुलिस की कार्यवयी के दावे किए गए किंतु जमीनी हकीकत की माने तो गुटखा व्यापार दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है।

# मुंबई में अस्पताल से छुट्टी के बाद नौसैनिक लापता

**मुंबई :** मुंबई पुलिस ने गुमशुदा 26 वर्षीय एक नौसैनिक को ढूंढने के लिए अभियान चलाया है जो बीते महीने अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से लापता है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के रहने वाले और दक्षिण मुंबई में भारतीय नौसेना के तटीय प्रतिष्ठान में नाविक के रूप में तैनात दानेश्वर साहू के परिजनों ने 28 अगस्त को यहां कोलाबा पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि साहू कुछ समय से बीमार था और आईएनएचएस अश्विनी अस्पताल में 19 जुलाई से इलाज करा रहा था।

# कांग्रेस सनातन धर्म का अपमान कर रही: शाह

## ये जितना बोलेंगे, उतना कम होते जाएंगे, 2024 में दूरबीन से दिखाई नहीं देंगे

**डूंगरपुर।** भाजपा की दूसरी परिवर्तन यात्रा आज बेणेश्वर धाम से रवाना हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब परिवर्तन यात्रा समाप्त होगी, तब तक गहलोत सरकार की रवानगी तय हो चुकी होगी। शाह ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि दंगा कराने वाली गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकिए। गहलोत क्या करें, उनका नेतृत्व ही ऐसा है। कांग्रेस नेता सनातन धर्म को समाप्त करने की बात करते हैं। सनातन धर्म पर ये जितना बोलेंगे, उतना कम होते जाएंगे। 2014 और 2019 में कम हुए, 2024 में दूरबीन लेकर भी नहीं दिखाई देंगे।

शाह ने कहा कि यदि कोई लाल कपड़े पहनता है तो उन्हें लाल डायरी दिखती है। इस लाल डायरी में गहलोत के सैकड़ों करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार दर्ज

हैं, ये डायरी हमने नहीं, उन्हीं के पूर्व मंत्री ने दी है। यदि आपमें हिम्मत है तो जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पांच साल में किए गए घोटालों का हिसाब दीजिए।

### जब बिजली ही नहीं, तो फ्री करने का क्या फायदा : वसुंधरा

सभा में वसुंधरा राजे ने गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गहलोत सरकार की फ्री बिजली की घोषणा को निराधार बताते हुए कहा कि जब लोगों को गांव में बिजली मिल ही नहीं रही है तो फ्री करने का किसे और क्या फायदा होगा। उन्होंने प्रतापगढ़ में महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का मामला उठाते हुए कहा कि इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए भाजपा की सरकार बनानी होगी।

### एनआईए नहीं भेजते तो कन्हैयालाल के हत्यारे पकड़े नहीं जाते

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड का मामला उठाते हुए कहा कि यदि अमित शाह एनआईए नहीं भेजते तो कन्हैयालाल के हत्यारे नहीं पकड़े जाते। अब राजस्थान की पुलिस की कमजोर कार्रवाई की वजह से उसके हत्यारे को जमानत मिल गई है। गौरतलब है कि पिछले दिनों एनआईए कोर्ट ने इस हत्याकांड के सहआरोपी को जमानत दी थी।

### राधा कृष्ण मंदिर के दर्शन किए

अमित शाह बेणेश्वर धाम पर स्थित राधा कृष्ण मंदिर में दर्शन किए और महंत अच्युतानंद महाराज से धाम को लेकर चर्चा की। इसके बाद अमित शाह बेणेश्वर धाम से डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, सलूंबर, प्रतापगढ़ जिलों की 28 सीटों को साधने के लिए एक सभा में शामिल हुए।

### रथ यात्रा रवाना की

अमित शाह ने सभा के बाद परिवर्तन यात्रा को रवाना किया। इस यात्रा के पहले दिन 115 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद चौरासी विधानसभा क्षेत्र में रात्रि विश्राम होगा। बीजेपी इस यात्रा के माध्यम से आदिवासी अंचल की 28 सीटों को साधने का प्रयास करेगी। दावा किया जाता है कि वागड़ और मेवाड़ की इन सीटों पर जिस पार्टी ने भी जीत हासिल की है, राजस्थान में उसी की सरकार बनी है।

## ओडिशा में आकाशीय बिजली गिरने से 10 की मौत

**नई दिल्ली।** देश के पूर्वोत्तर हिस्से में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तरीय प्रायद्वीप भारत, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में अगले चार दिन भारी से भारी बारिश हो सकती है। इस बीच ओडिशा में आकाशीय बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग बुरी तरह झुलस गए। ओडिशा के लिए आईएमडी ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिन बचकर रहें। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त के कार्यालय ने कहा कि बिजली गिरने से खुर्दा जिले में चार, बोलांगीर में दो और अंगुल, बौध, जगतसिंहपुर और ढेंकनाल में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि बिजली गिरने से खुर्दा में भी तीन लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि भुवनेश्वर और कटक शहरों सहित ओडिशा के तटीय क्षेत्र में बिजली गिरने के साथ भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों में राज्य के कई हिस्सों में इसी तरह की स्थिति की भविष्यवाणी की है। बयान में कहा गया है कि चक्रवाती परिसंचरण ने मानसून को सक्रिय कर दिया है जिससे पूरे राज्य में भारी बारिश हुई है। भुवनेश्वर और कटक के जुड़वां शहरों में दोपहर में 90 मिनट के अंतराल के दौरान क्रमश: 126 मिमी और 95.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

# किसान चिंता न करें, सरकार हर संकट से निपट लेगी : मुख्यमंत्री

## 1500 करोड़ रूपए की लागत के आईटीसी की खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों का शिलान्यास

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सीहोर के औद्योगिक क्षेत्र बडियाखेड़ी में आईटीसी कम्पनी की कुल 1500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाली दो इकाइयों- इंटीग्रेटेड फूड मैन्यूफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स फैसिलिटी और सस्टेनेबल पैकेजिंग प्रोडक्ट्स मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी का शिलान्यास किया। ये दोनों इकाइयाँ 57 एकड़ में लगेंगी। इससे 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

इस फूड प्लांट में आईटीसी के विश्वस्तरीय भारतीय ब्रांड जैसे देश का नंबर-1 आटा ब्रांड आशीर्वाद, सनफीस्ट बिस्कुट और यिप्पी नूडल्स का उत्पादन होगा, जबकि मोल्डेड फाइबर प्रोडक्ट्स प्लांट सस्टेनेबल पैकेजिंग के क्षेत्र में नए मानक बनाएगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, एफएमसीजी और फूड एवं बेवरेज सेक्टर में पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक का विकल्प मिलेगा। सीहोर में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में आईटीसी का यह निवेश राज्य के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में मूल्य सृजित करेगा और एग्री-वैल्यू चेन में सहयोग देगा।

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खेती में मध्यप्रदेश ने देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश ने डेढ़ दशकों तक 18 प्रतिशत की कृषि विकास दर प्राप्त कर चमत्कार किया है।

### खेती आधारित उद्योग लगाने के प्रयास

श्री चौहान ने कहा कि खरीफ की फसल में अधिकतर सोयाबीन और धान ही लगाते है और कई बार एक फसल पर संकट आने से किसान को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग फसलों की किस्मों से किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। इसके लिए आईटीसी ने 7000 एकड़ में तुलसी, अश्वगंधा, कलौंजी की खेती की है। उन्होंने कहा कि खेती पर आधारित उद्योग धंधे लगाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है, ताकि किसानों को अपनी फसलों का अच्छा दाम और स्थानीय नागरिकों को रोजगार मिले।

### 15 लाख 42,750 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 15 लाख 42 हजार 750 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव आए हैं। आईटीसी कंपनी ने भी प्रस्ताव दिया था जिसके तहत बड़ियाखेड़ी में 1500 करोड रुपए का निवेश हो रहा है। श्री चौहान ने कहा कि आईटीसी किसानों के साथ मिलकर उद्योग और खेती के विकास दोनों के लिए काम कर रही है।

# औजारों के प्रयोग से तेज हुआ स्वच्छता अभियान

## बुन्देली प्रकृति पर्यटन टीम जुटी गोविंदसागर बाँध पर

ललितपुर। रविवार को सुबह गोविंदसागर बाँध पर श्रमदानियों की टीम आ जुटी। नगर को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेने वाले उत्तम ललितपुर अभियान के श्रमदानियों ने अब औजारों का प्रयोग शुरू कर दिया है, इससे स्वच्छता अभियान में तेजी आ गयी है। श्रमदानियों ने कुण्ड में उतरकर वहाँ जमी जंगली घास को साफ किया और कुण्ड को उपयोगी और स्वच्छ बनाने की कवायद तेज कर दी। हर दिन इस अभियान में नये समाजसेवी चेहरे जुट रहे हैं।

अभियान के संयोजक लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा आचार्यजी ने बताया कि जल्द ही पितृ तर्पण माह शुरू होगा। उससे पहले इस कुण्ड के घाटों को जनोपयोगी बनाना होगा ताकि धार्मिक आयोजन करने वालों को उचित स्थान मिल सके। बताया कि किसी समय गोविंदसागर बाँध का यह कुण्ड धार्मिक आयोजनों और पवित्र स्नान के लिये मशहूर था, पर कालान्तर में उपेक्षा के चलते यह गंदगी का गड्ढा बनकर रह गया था। अब

श्रमदानियों ने इसमें लगी जलीय घासों के गुच्छों को कुण्ड में से हटाया है और यहाँ पड़ी गंदगी को साफ किया है, जिससे यह कुण्ड उपयोगी नजर आने लगा है। वरिष्ठ पत्रकार राकेश शुक्ला ने बताया कि इस घाट पर महिलाओं को पूजन करना शुरू हो गया है। अभियान में जुटे पर्यटन पुरुष रवीन्द्र दिवाकर ने बताया कि काफी हद तक गंदगी साफ हो गयी है। अब यहाँ कमल के फूलों की शोभा नजर आने लगी है। हम अगली पीढ़ी को उत्तम ललितपुर का वरदान देना चाहते हैं। नये जुड़े समाजसेवी विनोद शर्मा ने कहा कि उत्तम ललितपुर अभियान जनपद के स्वाभिमान का प्रतीक बन गया है। रविवार को जुटे श्रमदानियों में आचार्यजी लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, सह संयोजक इंजी.हाकिम सिंह, रवीन्द्र दिवाकर, राकेश शुक्ला के अलावा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी से भाई विद्यासागर, जैविक किसान निशान्त तिवारी, शिक्षाविद डीएस विवेक, धर्मराज यादव, कमलापति रिछारिया, लक्ष्मीनारायण राठौर, रामबाबू राजपूत, महेन्द्र यादव, पवन प्रजापति सहित नगर के कई युवा समाजसेवी शामिल रहे।

### 10 सितंबर को फिर जुटेंगे श्रमदानी

अभियान दल ने तय किया कि अगले रविवार को फिर गोविंदसागर बाँध पर सुबह 7.30 बजे जुटेंगे, ताकि इस स्थान को अधिक स्वच्छ और जनोपयोगी बनाया जा सके। जनपद के अन्य समाज-सेवियों से आह्वान किया गया कि वे भी इस अभियान में जुटकर ललितपुर को उत्तम ललितपुर बनाने का संकल्प लें।

# ललितपुर में सभी सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार का बोलबाला : बु.वि.सेना

## नवागंतुक जिलाधिकारी से सरकारी कार्यालयों में फैले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की उम्मीद

**ललितपुर।** ललितपुर जिले के सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर बुन्देलखण्ड विकास सेना प्रमुख हरीश कपूर की अध्यक्षता में स्थानीय कम्पनी बाग में कार्यकर्ताओं की एक बैठक आहूत की गई। सेना प्रमुख ने कहा कि ललितपुर जिले का एक भी सरकारी कार्यालय ऐसा नही है जहां पर बगैर सुविधा शुल्क के एक इंच भी फाइल नहीं आगे बढ़ती हो। दूरदराज से आये गरीबों व किसानों का जमकर आर्थिक शोषण हो रहा है। दलालों का बोलबाला है। कोई भी कार्य बगैर दलालों के नहीं हो पाता है। गरीब किसान दूरदराज से किराया लगाकर अपने काम के लिए शहर आता है। कोई भी रिपोर्ट लगवाने पर उनसे सुविधा शुल्क मांगा जाता है और उसे काम पूरा कराने के लिए महिनों सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कहा कि पूरे प्रदेश में ललितपुर जिला टॉप-5 में

निकलेगा। उन्होंने कहा कि सुविधा शुल्क में कई गुना वृद्धि हो गई है। सरकारी कामों में कमीशन का बोलबाला है। सड़कें, बिल्डिंग और अन्य निर्माण कार्य मानक के अनुरूप नहीं बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि नवागंतुक जिलाधिकारी से हम लोगों को बहुत उम्मीद है। हमारा जिला प्रदेश मुख्यालय से बहुत दूर होने के कारण विकास कार्यों में बहुत पीछे है। हम आशा करते हैं कि जिलाधिकारी के सभी सरकारी कार्यालयों में व्याप्त समस्याओं का संज्ञान लेकर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगायें तथा सरकारी तंत्र को दलालों से मुक्त करके सरकार की मंशा के अनुरूप कार्यशैली को व्यापक बनायें। बु.वि.सेना सभी कार्यालयों में मुहिम चलाकर भ्रष्ट कार्यालयों को चिन्हित करके वहां जाकर उग्र प्रदर्शन करेगी। बैठक में राजमल बरया, कदीर खाँ, राजकुमार कुशवाहा, अमरसिंह बुन्देला, प्रेमशंकर गुप्ता, संजय त्रिवेदी, हनुमत, गफूर खाँ, जगदीश झा, बी.डी.चन्देल, प्रकाश झा, पुष्पेन्द्र शर्मा, भैय्यन कुशवाहा, विनोद साहू, पुष्पेन्द्र बुन्देला, रवि रैकवार, नन्दराम कुशवाहा, गौरव विश्वकर्मा, प्रदीप प्रजापति, टिंकू सोनी, अंकित जैन, प्रदीप साहू, अमित जैन, कामता शर्मा आदि मौजूद रहे।

## वन्य जीव विहार देवगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस मनाया

### संरक्षण व जन जागरूकता गोष्ठी का हुआ आयोजन

**जाखलौन (ललितपुर)।** अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस के अवसर पर महावीर स्वामी वन्य जीव विहार देवगढ़ में गिद्ध संरक्षण एवं जन जागरूकता अभियान को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन क्षेत्र वन अधिकारी राम समारे यादव की मौजूदगी में किया गया। गोष्ठी में मौजूद ग्रामीण व स्कूली बच्चों को बताया गया कि गिद्ध हमारे जीवन में कितना महत्वपूर्ण पक्षी है और रामायण के दृष्टांत में जटायु की भूमिका के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। गोष्ठी के दौरान

बताया गया कि गिद्ध की प्रजाति धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है जो बहुत ही चिंता का विषय है पहले भारी संख्या में गिद्धों के झुंड के झुंड हुआ करते थे लेकिन विगत 20 वर्षों से इनकी संख्या में भारी कमी आई है और यह विलुप्त होते जा रहे हैं इसकी एक वजह खान-पान और जानवरों में लगाए जाने वाले इंजेक्शन भी बताई गई है क्योंकि गिद्ध जानवरों के मांस को खाते हैं और जहरीले इंजेक्शनों के प्रभाव के कारण इनकी प्रजाति की विलुप्तता का एक यह भी कारण बताया गया है। गिद्धों के संरक्षण और जागरूकता को लेकर प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान कृपान सिंह यादव, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजकुमार सिंह, रमेश मोहन तिवारी के अलावा वन्य जीव विहार के वन कर्मी, ग्रामीण व स्कूल के बच्चे आदि मौजूद रहे।

# जीवन में संस्कारों की भूमिका अहम : आचार्यश्री

## भक्तामर शिविर में आचार्य श्री ने कहा अच्छे संस्कारों से ही भविष्य सुधरेगा

**ललितपुर।** पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर में उच्चारणाचार्य विनम्रसागर महाराज ने कहा कि जीवन में संस्कारों की भूमिका अहम है बचपन के संस्कार भविष्य में जीवन संवारने में काम आते हैं। स्कूली शिक्षा के साथ साथ पाठशालाओं के माध्यम से धार्मिक ज्ञान को संस्कार वृद्धि का कारण बताते हुए उन्होने कहा जीवन में व्रत नियम के साथ को सकारात्मक सोच रखनी चाहिए जिससे जिन्दगी संवर जाएगी जिसकी जिन्दगी संवारी तो समझो कल्याण निश्चित है।

आचार्यश्री ने कहा धार्मिक संस्कारों की जब प्रचुरता होती है तो वही संस्कार साधना के माध्यम से तप की ओर बढते हैं जो वैराग्य का कारण बनते हैं। अपनी काव्य मय प्रस्तुत प्रभु भक्ति मन में लाए वहीं मुक्ति पथ अपनाए स्वर्ग सम्पदा पाए पर उपस्थित श्रावक भक्ति में झूम उठे। आचार्य श्री ने भक्ताम्मर स्त्रोत की महिमा

बताते हुए उपस्थित श्रावकों को भक्तामर स्त्रोत के सही उच्चारण हेतु सीख दी। सुबह बुद्धि, सिद्धि,समृद्धि प्रदायक सर्वविग्न विनाशक महामृत्युंजयी भक्तामर शिविर में आचार्यश्री विनम्र सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में भगवान के अभिषेक शान्तिधारा पुण्यार्जक परिवार द्वारा की गई जबकि आचार्यश्री के पादप्रक्षालन विधान पुण्यार्जक द्वारा किया गया। इसके पूर्व भक्तामर विधान जयकुमार जैन ने भक्तिपूर्वक सम्पन्न कराया। इस मौके पर अनिल जैन, भगवानदास जैन, कपूरचंद जैन, अक्षय अलया, अखिलेश जैन, संजीव जैन, प्रदीप जैन, दिलीप चौधरी, अनंत सराफ, नरेश जैन, अंकुर जैन शानू, श्रेयांसचन्द्र जैन, अमिताभ जैन, मनोज जैन, चंचल जैन, अमित सर्राफ आदि मौजूद रहें।

### भक्तामर शिविर का समापन 10 को

डा.अक्षय टडैया ने बताया कि उच्चारणाचार्य विनम्रसागर महाराज के सानिध्य में जैन अटामंदिर में चल रहे शिविर का समापन 10 नबम्बर को किया जाएगा, जिसमें शिविर में भक्तामर के पुण्यार्जक परिवारों द्वारा सामूहिक हवन के उपरान्त संगीतमय महाआरती एवं 48 दीपों के साथ की जाएगी।

# बॉलीवुड में किसी को दोस्ती के लायक नहीं समझतीं कंगना

बॉलीवुड 'क्वीन' कंगना रनौत के इंडस्ट्री को लेकर क्या थॉट्स हैं ये जगजाहिर हैं. कंगना रनौत ने बिना नाम लिए कई स्टार्स को लेकर बेबाकी के साथ बयान दिए.

कंगना का मानना है कि बॉलीवुड में वो किसी से दोस्ती नहीं करना चाहतीं. एक चैट शो के दौरान कंगना ने कहा था कि वे बॉलीवुड के किसी भी सेलेब को अपने अपने घर में नहीं बुलाना चाहेंगी.

द कर्ली टेल्स शो में कंगना से जब 3 ऐसे सेलेब्स के नाम लेने के लिए कहा गया था जिन्हें वे अपने घर में खाने पर बुलाना चाहें, इस पर कंगना ने कहा था- 'बॉलीवुड से इस सेवा के लायक तो कोई भी नहीं है. घर तो बुलाओ ही नहीं बिलकुल भी.'

कंगना ने आगे कहा था- 'बाहर मिलने के लिए बुला लो फिर भी ठीक है. मेरे दोस्त बनाने लायक नहीं हैं ये लोग. क्वॉलिफिकेशन चाहिए होती है उसके लिए.'

बता दें, कंगना रनौत आलिया भट्ट से लेकर रणबीर कपूर तक पर अपने बेबाक बयानों से निशाने साधती रही हैं. कंगना को दिक्कत है कि बॉलीवुड की ज्यादातर पर्सनालिटीज बुली हैं और वो देश के मुद्दों पर चुप रहना पसंद करते हैं.

हालांकि कंगना दीपिका पादुकोण से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक को कई बार सपोर्ट करती नजर आई हैं. कंगना कई मौकों पर इनकी तारीफ करती सुनी गई थीं.

# सलमान खान की नजर में ये हैं बॉलीवुड की सबसे खराब फिल्में

बॉलीवुड में सुपरस्टार सलमान खान की तूती बोलती है. सलमान खान की हर फिल्म ताबड़तोड़ कमाई करती है और उनकी फिल्में उनके करोड़ों फैंस के लिए एक तोहफे की तरह होती हैं. हाल ही में सलमान खान ने फिल्मों को लेकर अपनी राय जाहिर की है. एक इंटरव्यू में सलमान खान ने इंटरव्यू ले रही अनुपमा चोपड़ा को भी बुरी और अच्छी फिल्मों को लेकर काफी ज्ञान दे दिया. बॉलीवुड में फिल्मों के हिट और फ्लॉप होने के गणित पर भले ही ज्यादा लोग सहमत ना हों, लेकिन सलमान खान की बेबाकी इस बात का सबूत है कि वो फिल्मों को किस तरह देखते हैं. सलमान खान ने अच्छी और बुरी फिल्मों पर बात करते वक्त अनुपमा चोपड़ा के साथ अपनी बात शेयर की. जब अनुपमा चोपड़ा ने उनसे पूछा कि बैड यानी बुरी फिल्म क्या होती है, इस पर सलमान खान ने कहा कि जो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉरमेंस नहीं करती, वो फिल्म बैड फिल्म होती है. इस पर अनुपमा चोपड़ा ने हैरत जताते हुए कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है. इस पर सलमान खान ने कहा कि कोई फिल्म नहीं चली, ऑडिएंस ने आपकी फिल्म रिजेक्ट की है और इसका मतलब है फिल्म बुरी है. इस पर अनुपमा ने कहा कि परिंदा नहीं चली थी, अंदाज अपना अपना और जाने भी दो यारों जैसी फिल्में भी नहीं चली थी. इस पर सलमान ने कहा कि हां वो बुरी फिल्में थी.

अनुपमा ने इस बातचीत में कहा कि कभी कभी फिल्में अपने वक्त से आगे के दौर की बन जाती है और इसलिए वो चल नहीं पाती. इस पर सलमान ने कहा तब फिल्मकारों को फिल्म वक्त पर ही बनानी चाहिए. उन्होंने कहा कि फिल्में पैसे कमाने के लिए, नाम कमाने के लिए और इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए बनाई जाती हैं. ऐसे में फिल्म वक्त पर ही बनानी चाहिए. सलमान खान की सोच हालांकि काफी लोगों को अजीब लग सकती है, लेकिन हो सकता है कि फिल्मकारों का ये रवैया इंडस्ट्री के लिए मायने रखता हो.

# अनप्लानड था सिद्धार्थ मल्होत्रा का बॉलीवुड में स्टूडेंट ऑफ थे ईयर से डेब्यू

अपनी पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' (2012) से, सिद्धार्थ मल्होत्रा, जिनका नाम युवा आकर्षण और अनुकूलनीय अभिनय का पर्याय है, ने बॉलीवुड उद्योग पर अपनी छाप छोड़ी। हालाँकि, यह हाई स्कूल ड्रामा मूल रूप से बड़े पर्दे पर उनके रास्ते की शुरूआत करने का इरादा नहीं था। उन्हें 2008 में प्रियंका चोपड़ा जोनास अभिनीत समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'फैशन' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी थी। हालाँकि, अनुबंध संबंधी दायित्वों और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण सिद्धार्थ की शुरूआत ने एक अलग रास्ता अपनाया। इस लेख में, हम सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'फैशन' में छूटे अवसर और उस अप्रत्याशित रास्ते की दिलचस्प कहानी की जांच करते हैं जो उन्हें 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' तक ले आई। 'फैशन' कनेक्शन की खोज करने से पहले भारतीय फिल्म उद्योग में एक अभिनेता के रूप में सिद्धार्थ मल्होत्रा की प्रसिद्धि को समझना महत्वपूर्ण है। सिद्धार्थ, जिनका जन्म 16 जनवरी, 1985 को दिल्ली, भारत में हुआ था, ने 2010 की फिल्म 'माई नेम इज खान' में निर्देशक के रूप में करण जौहर की सहायता करने से पहले एक मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया। अपनी आकर्षक उपस्थिति और करिश्मा के कारण उन्होंने तुरंत ध्यान आकर्षित किया और विज्ञापन उद्योग में एक प्रसिद्ध व्यक्ति बन गए। बॉलीवुड इंडस्ट्री जल्द ही उन्हें आकर्षित करने वाली थी, यह केवल समय की बात थी। 2008 में रिलीज हुई मधुर भंडारकर की फिल्म 'फैशन' ने फैशन उद्योग की ग्लैमरस लेकिन क्रूर दुनिया पर एक संपूर्ण नजर डाली। मॉडलों के जीवन के उतार-चढ़ाव को दर्शाने वाली इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा जोनास, कंगना रनौत और मुग्धा गोडसे ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं।

यह जानना दिलचस्प है कि मूल रूप से सिद्धार्थ मल्होत्रा को 'फैशन' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया था। सिद्धार्थ को उस सम्मोहक कहानी का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था जो फैशन उद्योग की जटिल और बहुस्तरीय वास्तविकताओं को प्रस्तुत करती थी। सिद्धार्थ मल्होत्रा के लिए संविदात्मक दायित्व 'फैशन' में उनकी भागीदारी में एक महत्वपूर्ण बाधा थे। विशेष रूप से जब वे उद्योग में अपेक्षाकृत नए होते हैं, तो अभिनेता अक्सर अनुबंध संबंधी प्रतिबंधों का अनुभव करते हैं जो उन्हें एक साथ कई परियोजनाओं को स्वीकार करने से रोकते हैं। भले ही अनुबंध की सटीक शर्तें अभी भी अज्ञात हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि सिद्धार्थ ने एक ऐसा कार्य किया था जिसने उन्हें 'फैशन' लेने से रोक दिया था। घटनाओं के इस मोड़ ने बॉलीवुड में उनके करियर की दिशा बदल दी और उन्हें एक अलग दिशा में ले गया। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 'फैशन' छोड़ दिया और भाग्य ने उन्हें एक भाग्यशाली अवसर प्रदान किया। सहायक निर्देशक के रूप में, सिद्धार्थ ने पहले करण जौहर के साथ काम किया था, जिन्होंने उनमें क्षमता देखी और उन्हें 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' (2012) में अभिमन्यु सिंह की मुख्य भूमिका के लिए चुना।

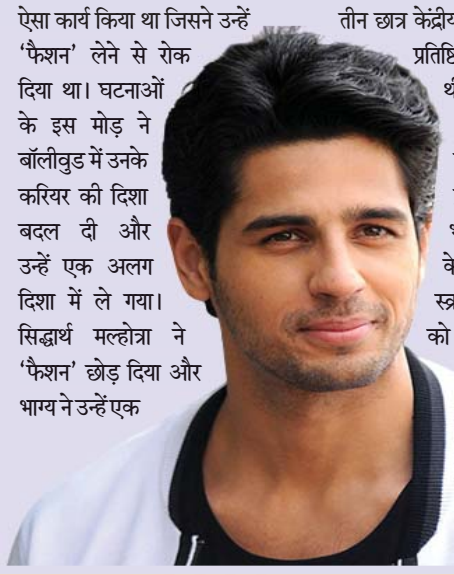

करण जौहर द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक हाई स्कूल ड्रामा थी, जिसमें तीन छात्र केंद्रीय पात्र थे और यह एक प्रतिष्ठित संस्थान पर आधारित थी। मिलनसार और फिट अभिमन्यु के किरदार के लिए सिद्धार्थ को काफी प्रशंसा मिली। आलिया भट्ट और वरुण धवन के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफल बनाने में मदद की। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत करने के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा का बॉलीवुड करियर आगे बढ़ा। उन्होंने एक ऐसे रास्ते पर चलना शुरू किया, जिसमें रोमांटिक कॉमेडी से लेकर गहन थ्रिलर तक कई शैलियों में भूमिकाएं निभाकर उन्होंने अपनी अभिनय बहुमुखी प्रतिभा दिखाई।

फिल्मों 'एक विलेन' (2014), 'कपूर एंड संस' (2016), 'बार बार देखो' (2016), 'अय्यारी' (2018), और 'मरजावां' (2019) में उनकी भूमिकाओं ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रकार के किरदार निभाना और विभिन्न कहानियाँ सुनाना आया। उन्होंने अपने प्रदर्शन से फिल्म उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत की, जिससे उन्हें आलोचनात्मक और वित्तीय दोनों तरह की सफलता मिली। अपने अभिनय कौशल और प्रासंगिक चरित्र चित्रण के माध्यम से दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता के कारण सिद्धार्थ बॉलीवुड में एक चहेते अभिनेता थे। सिद्धार्थ मल्होत्रा की बॉलीवुड में प्रसिद्धि में अप्रत्याशित वृद्धि, जिसकी शुरूआत 'फैशन' में उनके अवसर चूकने से हुई, यह इस बात का प्रमाण है कि फिल्म व्यवसाय कितना अप्रत्याशित हो सकता है। भले ही उनका प्रारंभिक पाठ्यक्रम संविदात्मक दायित्वों के कारण बदल गया हो, भाग्य उन्हें 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' तक ले आया, जहां उन्होंने एक यादगार शुरूआत की। तब से, सिद्धार्थ का करियर उनके प्रदर्शन के परिणामस्वरूप फला-फूला है, जिसने उन्हें समर्पित अनुयायी और अनुकूल समीक्षाएँ दिलाई हैं। व्यवसाय में सबसे आशाजनक अभिनेताओं में से एक, एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं और शैलियों के साथ प्रयोग करने की अनुमति दी है। भले ही 'फैशन' में चूका हुआ अवसर भाग्य का एक झटका रहा हो, लेकिन अंततः इसने बॉलीवुड में सिद्धार्थ मल्होत्रा की उल्लेखनीय यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया, जहां वह एक बहुमुखी और लोकप्रिय कलाकार के रूप में चमकते रहे।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .